21 पहेलियाँ-मुकरियाँ

अमीर खुसरो

(जन्म : सन् 1253 ई., निधन : सन् 1325 ई.)

आदिकाल की राज्याश्रय परंपरा से सर्वथा मुक्त अमीर खुसरो की कविता लोकजीवन का रंगों में रंगी हुई है । उनकी हलकी-फुलकी रचनाओं में ज्ञान के साथ-साथ मनोविनोद की सुंदर सामग्री प्रस्तुत की गई है । संकलित पहेलियाँ और मुकरियों में मानव-मन की जिज्ञासा, कुतूहल और रहस्यों का विनोदपूर्ण शैली में उद्‌घाटन किया गया है । छोटी-छोटी रचनाओं में गहरे अर्थ अभिव्यंजित कर कवि ने अपने कला-कौशल का अच्छा परिचय दिया है ।

उनकी पहेलियों में किसी वस्तु का टेढ़ा-मेढ़ा लक्षण देकर अभिप्रेत वस्तु का नाम पूछा जाता है । मुकरियों में आरंभ में कही गई बात का खंडन करते हुए सही बात की ओर संकेत किया जाता है । इन पहेलियाँ मुकरियों में विनोद के साथ ज्ञान परोसा गया है । इनके द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान की कसौटी भी हो जाती है, साथ-साथ चिंतन और जिज्ञासा भी जाग्रत होते हैं ।

पहेलियाँ

- जूता पहना नहीं ?
  समोसा खाया नहीं ? (क्यों ?)
  उत्तर : तला नहीं था ।
- अनार क्यों न चखा ?
  वजीर क्यों न रखा ?
  उत्तर : दाना न था ।
- रोटी जली क्यों ?
  घोड़ा अड़ा क्यों ?
  पान सड़ा क्यों ?
  उत्तर : फेरा न था ।
- एक नारि के हैं दो बालक, दोनों एक ही रंग ।
  एक फिरे एक ठाढ़ा रहै, फिर भी दोनों संग ॥
  उत्तर : चक्की के पाट

मुकरियाँ

- जब माँगू तब जल भरि लावे
  मेरे मन की तपन बुझावे
  मन का भारी तन का छोटा
  ए सखि साजन ? ना सखि लोटा । **उत्तर :** लोटा
- वो आवे तो शादी होय
  उस बिना दूजा और न कोय
  मीठे लागे वा के बोल
  ए सखि साजन ? ना सखि ढोल । **उत्तर :** ढोल
- अति सुरंग है रंग-रंगीले
  है गुणवंत बहुत चटकीला
  राम-भजन बिन कभी न सोता
  ए सखि साजन ? ना सखि तोता । **उत्तर :** तोता

शब्दार्थ

अनार एक दानेदार फल, दाडम (गुज.) **वजीर** मंत्री **अड़ना** रुक जाना **ठाढ़ा** खड़ा **तपन** आग **साजन** पति **दूजा** दूसरा **गुणवंत** गुणवान

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

(1) 'तला' शब्द के दो अर्थ बताइए ।
(2) 'वजीर में दाने नहीं थे' क्या अर्थ है ?
(3) ढोल और साजन में क्या समानता है ?
(4) राम भजन बिना कौन नहीं सोता है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) न फेरने पर रोटी, घोड़े और पान की क्या हालत होती है ?
(2) चक्की के दो पाटों की क्या विशेषता बताई हैं ?
(3) लोटा क्या-क्या करता है ?

योग्यता-विस्तार

- किसी भी वस्तु को लेकर पहेलियाँ बनाने की, बुझाने की और सुलझाने की प्रवृत्ति कीजिए ।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- अपनी भाषा में पहेलियाँ बनाइए ।
- अमीर खुसरो की कुछ अन्य पहेलियाँ ढूँढ़िए ।

●